

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4 PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

tt. 3] No. 3] **मई विल्ली, मं**गलवार, जनवरो 15, 1991/ पौप 25, 1912

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 15, 1991/PAUSA 25, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारतीय नौबहन प्राण तथा निवेश कपनी लि० वबई, 27 नवम्बर, 1990

ग्राटेश

सं. एम.सी.धार्ड.भी धार्ड /मेक 10 एम खी.एप.सी (ए) ऐत्रट/
10140 — यद्यपि, भारतीय नीयहन ऋण तथा निवेण कम्पनी लिमिटेड (जिमे इसके बाद "एम.सी धार्ड.सी धार्ड वहा गया है) ने, नौयहन विकास निधि समिति (उप्पादन) प्रधिनियम, 1986 को, (जिम इसके बाद "उक्त धिनियम" वहा गया है) धारा 16 के धवीं के प्रन्तर्गत पर्वाभित्ति व्यक्ति के रूप में उपत प्रधिनियम की धारा 8 के धिक्ति दिनाक 14 फरवरी 1990 प्रपत्ने नोटिम द्वारा, घोलामंडल शिषिम वपनी प्राइवेट लिमिटेड को (जिसे इसके बाद "शिष धोनर" कहा गया है) उममें उल्लिखिन केन्द्रीय सरकार के प्रति देनदारियों को पूर्ग तरह से धुकाने के लिए कहा गया था।

भीर यद्यपि णिप भ्रोनर ने निर्धारिक श्राप्ति के श्रन्दर-पन्टर उक्त नौटिस का श्रनुपालन नहीं कियर-

ग्रीर यद्यपि एस.सी ग्राई सुर्हिमा को पदाशिहित व्यक्ति के रूप से हक प्राप्त हो गया है ग्रीर उसके पंकितियम के ग्रन्याय III के उपवधी के ग्रधीन विभिन्न विजय शक्तियाँ ग्रींग करने का निर्णय लिया है। प्रव उक्त अधिनियम की धारा 10 व उपवंध्यों के प्रमुमरण में तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के श्रन्तगत रिमीवर की निर्धावन पर प्रतिकृत प्रभाथ डाले विना एनड हारा यह ब्रादेश दिया आना है श्रीर शोषणा की जाती है कि——

- । श्रीएम. णकर
- 2 श्री अशी एम शेषाद्री
- **अधिश्रार सुश्रामनिग्रन**
- 1 श्रीएम के द्वारिकनाथ

शिपद्मोनर में निर्देशक के रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

यह भादश राजपत्र में श्रधिसूचित होने ही तत्काल प्रभावी हा जाएगा।

THE SHIPPING CREDIT AND INVESTMENT COMPANY OF INICIA LIMITED

Bombay, the 27th November, 1990 ORDERS

SCICI|Sec 10 SDFC (A) Act|10140.—Whereas the Shipping Credit and Investment Company of India Limited (hereinafter called "the SCICT") as designated

person within the meaning of section 16 of the Shipping Development Fund Committee (Abolition) Act, 1986 as amended (hereinafter referred to as "the said Act") had by its notice under Section 8 of said Act dated February 14, 1990 called upon Cholamandal Shipping Company Private Limited (hereinafter called "the Shipowner") to discharge in full the dues of the Central Government as stated therein.

And whereas the Shipowner has failed to comply with the said notice within the stipulated period.

And whereas the SCICI, as the designated person has become entitled and has decided to exercise various special powers under the provisions of Chapter III of the said Act.

Now in pursuance of the provisions of Section 10 of the said Act and without prejudice to the appointment of a Receiver under Section 9 of the said Act, it is hereby ordered and declared that

- 1. Shri S. Shankar
- 2. Shri V. S. Sheshadri
- 3. Shri R. Subramanian
- 4. Shri M. K. Dwarakinath

be and they are hereby appointed as directors of the Shipowner.

This order shall come into force immediately upon its being notified in the Official Gazette.

स एस.सी. आई. मी. आई. /मैंक. 10 एस. डी. एफ.सी. (ए) वेन्ट/
10143 — यद्यपि, भारतीय नौबहन अप तथा निवेण कम्पनी लिमिटेड (जिसे इंसके बाद "एस.सी. आई.सी. आई" कहा गया है) ने. नौबहन विकास निधि समिति (उत्पादन) प्रधिनयम, 1985 को, (जिसे इंसके बाद, "उक्त प्रधिनियम" कहा गया है) धारा 16 के ग्रंथों के अन्तर्गम पदा-भिहित स्पिक्त के रूप में उक्त प्रधिनियम की धारा 8 के ग्रंथीन दिनांक 14 फरवरी 1990 प्रपत्ने नौटिंग द्वारा, सीगत सीफड प्राइवेट लिमिटेड को (जिसे इंसके बाद 'शिप ग्रोनर" कहा गया है) उसमें उल्लिखन केन्द्रीय सरकार के प्रति मभी देनदारियां को पृथी नरह से चुकाने के लिए कहा गया था।

श्रीर यद्यपि शिपश्रोनर ने निर्धारित श्रवधि के श्रन्दर-श्रन्दर उक्त नोटिस का श्रनुपालन नहीं किया है।

श्रीर यद्यपि एम.सी.धाई.सी.धाई. को पदाभिष्टित व्यक्ति के रूप म हक प्राप्त हो गया है। श्रीर उसने उभन धर्धिनियम के प्रध्याय-III के उपबंधों के श्रधीन विभिन्न विजेष णक्तियों का प्रयोग करने का निर्णय लिया है।

श्रव उक्त ध्रिधिनियम की धारा 10 के उपबंधों के अनुसरण में तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के धन्दर्गत रिसीवर की नियुक्ति पर प्रतिकृष प्रभाव डाले बिना, एनद्वारा यह आदेण दिया जाता है और धोषणा की जाती है कि—

- 1 श्रीएस, शंकर
- 2. श्री अही. एस. मोपाडी
- 3. श्री ग्रार. भुगमनिग्रन
- 4 श्री एम.के. द्वार्राकनाथ

शिपओतर के निर्देशक के रूप में नियुक्त किए जाते हैं। यह आदेश राजपत्न में श्राधिसूखित होने ही तस्काल प्रभावी हो जाएगा।

SCICI|Sec 10 SDFC (A) Act|10142.—Whereas the Shipping Credit and Investment Company of India Limited (hereinafter called "the SCICI") as designated person within the meaning of Section 16 of the Shipping Development Fund Committee (Abolition) Act, 1986 as amended (hereinafter referred to as said Act") had by its notice under Section 8 of said Act, dated February 14, 1990 called upon Seagul Seafoods Private Limited (hereinafter called "the Shipowner") to discharge in full the dues of the Central Government as stated therein.

And whereas the Shipowner has failed to comply with the said notice within the stipulated period.

And whereas the SCICI, as the designated person has become entitled and has decided to exercise various special powers under the provisions of Chapter III of the said Act.

Now in pursuance of the provisions of Section 10 of the said Act and without prejudice to the appointment of a Receiver under Section 9 of the said Act, it is hereby ordered and declared that

- 1. Shri S. Shankar
- 2. Shri V. S. Sheshadri
- 3. Shri R. Subramanian
- 4. Shri M. K. Dwarakinath

be and they are hereby appointed as directors of the Shipowner.

This order shall come into force immediately upon its being notified in the Official Gazette.

स.एम.सी.धाई मी बाई |मेक.10एम डी.एफ.सी. (ए) ऐक्ट/
10113 — यद्यपि भारतीय नीवहन ऋण तथा तिवेश कम्पनी लिसिटेड
(जिसे इसके बाद "एम.सी थाई.सी.घाई " कहा गया है), ने नौबहत
विकास गिंध समित (उत्पावन) अधिनियम, 1986 थो, (जिसे इसके बाद
"उक्त अधिनियम" कहा गया है) धारा 16 के प्रथों के अन्तर्गत पदाभिहित
व्यक्ति के रूप में उक्त प्रधिनियम की धारा 8 के प्रधीन विनांक 14फरवरी
1990 को अपने नोटिस द्वारा, वाना शिषिण कम्पनी लिसिटेड को (जिसे
इसके बाद "शिष छोनर" कहा गया है) उसमें उन्तिशिवन केन्द्रीय सरकार के
प्रति देनदारियों को पूरी नरह से चुकाने के लिए का गया था।

ग्रीर यश्यपि णिए भ्रोनर ने निर्धारित भ्रमिश्व के ग्रम्बर ग्रम्बर अक्त नोटिस का श्रन्पालन नहीं किया है।

ग्रीर यद्यपि एस.सी. श्राई.सी. भेकि. की पदाशिहित व्यक्ति के इत्यमें हक प्राप्त हो गया है ग्रीर उसने उक्त ग्रीधिनियम के श्रध्याय-III के उपदर्धा के ग्रधीन विभिन्न विशेष शक्तियां का प्रयोग करने का निर्णय लिया है। प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 10 के उपजन्धों के प्रमुसरण में तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत रिमीवर की नियुक्ति पर प्रतिकृत्त प्रभाव डाले बिना, एतद्द्वारा यह प्रावेण दिया आता है भीर घोषणा की जानी है कि——

- 1 श्रीएस, शकर
- 2. श्रीक्षी. एस. शेषाडी
- 3. श्री धार, मुद्रामनिश्चन
- श्री एम के व्यार्गकनाथ

शिपग्रोनर के निर्देशक के रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

यह आर्देण राजपत्र मे अधिमूचित हो हीते तत्काल प्रभावां हो जायेगा।

SCICI|Sec 10 SDFC (A) Act|10143.—Whereas the Shipping Credit and Investment Company of India Limited (hereinafter called "the SCICI") as designated person within the meaning of Section 16 of the Shipping Development Fund Committee (Abolition) Act. 1986 as amended, (hereinafter referred to as "the said Act") had by its notice under Section 8 of said Act, dated February 14, 1990 called upon Dana Shipping Limited (hereinafter called "the Shipowner") to discharge in full the dues of the Central Government as stated therein.

And whereas the Shipowner has failed to comply with the said notice within the stipulated period.

And whereas the SCICI, as the designated person has become entitled and has decided to exercise various special powers under the provisions of Chapter III of the said Act.

Now in pursuance of the provisions of Section 10 of the said Act and without prejudice to the appointment of a Receiver under Section 9 of the said Act, it is hereby ordered and declared that

- Shri S. Shankar
- 2. Shri V. S. Sheshadri
- 3. Shri R. Subramanian
- 4. Shri M. K. Dwarakinath

be and they are hereby appointed as directors of the Shipowner.

This order shall come into force immediately upon its being notified in the Official Gazette.

स. एम.सी. शाई.सी. शाई./सेक. 10 एम. टी. एफ.सी. (ए) ऐक्ट/
10144—यद्यपि भारतीय नौबहन ऋण नथा निवेश कम्पनी लिमिटेड (जिसे इसके बाद "एम.सी. शाई,सी. शाई" कहा गया है) ते, नौबहन विकास निधि समिति (उत्पादन) श्रधिनियम, 1986 को, (जिसे इसके बाद, "उन्त श्रधिनियम" कहा गया है) द्वारा 16 के श्रथों के श्रन्तर्गन प्राभिहित व्यक्ति के रूप में उन्त श्रधिनियम की धारा 8 के श्रधीन दिनांक 28 श्रगस्त, 1990 को श्रपने नौटिस द्वारा, माईकेल सी फूड प्राइवेट लिमिटेड को (जिसे इसके बाद "शिप धोनर" कहा गया है) उसमें उल्लिखन केम्ब्रीय सरकार के प्रति सभी देनदारियों को पूरी तरह से चुकाने के लिए कहा गया था। भीर यद्यपि शिपभोनर ने निर्धारित भविध के भन्दर-भन्दर उक्त सोटिस का श्रन्थालन नहीं किया है।

भीर यद्यपि एस.सी.भाई.सी.आई. को पदाभिहित क्यक्ति के रूप में हक प्राप्त हो गया है भीर उसमें उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय-III के उपबंधों के प्रधीन विभिन्न विशेष एक्सियों का प्रयोग करने का निर्णय लिया है।

श्रव उक्त श्राधिनियम की धारा 10 के उपबन्धों के श्रानुसरण में तथा उक्त श्राधिनियम की धारा 9 के श्रन्तगंत रिमीवर की नियुक्ति पर प्रतिकृष प्रभाव जाले बिना, एनद्द्रार यह श्रावेश दिया जाता है श्रीर घोषणा को जाती है कि ।

- 1 श्री. एस. शंकर
- श्रा. व्हो. एस. गोषाब्रो
- з. श्रो. आ.र. मुक्रामिक्षन
- 4. आ. एम.ने. इ.रिकनाय

शिषजोतर के निर्देशक के रूप में नियुक्त किए जाते हैं। यह आदेण राजपन्न में अधिमूचित होते हैं। तत्काल प्रभावी हो जाएगा।

अ(देश से

एम . पार्थमारथा, एकस्युमयुटीव निर्देशक

SCICI Sec 10 SDFC (A) Act 10144.—Whereas the Shipping Credit and Investment Company of India Limited (hereinafter called "the SCICI") as designated person within the meaning of Section 16 of the Shipping Development Fund Committee (Abolition) Act, 1986 as amended, (hereinafter referred to as the "the said Act") had by its notice under Section 8 of said Act, dated August 28, 1990 called upon the Michel Seafoods Private Limited (hereinafter called "the Shipowner") to discharge in full the dues of the Central Government as stated therein.

And whereas the Shipowner has failed to comply with the said notice within the stipulated period.

And whereas the SCICI, as the designated person has become entitled and has decided to exercise various special powers under the provisions of Chapter III of the said Act.

Now in pursuance of the provisions of Section 10 of the said Act and without prejudice to the appointment of a Receiver under Section 9 of the said Act. it is hereby ordered and declared that—

- 1. Shri S. Shankar
- 2. Shri V. S. Sheshadri
- 3. Shri R. Subramanian
- 4. Shri M. K. Dwarakinath

be and they are hereby appointed as directors of the Shipowner.

This order shall come into force immediately upon its being notified in the Official Gazette.